

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH:

The sand content is so much that it corrodes the entire boiler, fan and everything and so this difficulty has come up. We have taken steps in consultation with experts for rectification of these deficiencies and necessary measures are being adopted. About coal also measures are being taken to see that the quality is improved by introducing slow motion conveyor belts and also by manual pickings. These measures are being introduced and are being implemented.

As for the plant load factor, that is, the capacity utilisation of Talcher, I would like to give the figures not only for 3 years but for the last 6 years: 1977-78—31 per cent, 1978-79—33 per cent, 1979-80—32 per cent, 1980-81—34 per cent, 1981-82—36 per cent and 1982-83 (upto January 1983) 36 per cent. So this indicates that there has been a slight and continuous improvement and with the removal of deficiencies...

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: Why not the Minister change—I want to know so that there is some improvement?

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH: Sir, with the removal of the design deficiencies and arrangement for a better quality of coal we hope that in the months to come, PLF would improve . . .

(Interruptions)

DR. KRUPASINDHU BHOI: Should you not ask the BHEL to rectify it?

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH: We have asked and they are responding.

MR. SPEAKER: Next question—Smt. Madhuri Singh; Shri Nihal Singh.

Yes—Shri Vilas Muttemwar.

गैस उपभोक्ताओं की प्रति एजेंट संख्या

* 228. श्री विलास मुत्तेमवार :
क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नियमों के अनुसार किसी एजेंट को कम से कम तथा अधिक से

अधिक कितनी संख्या में गैस उपभोक्ता आवंटित किये जाने होते हैं; और

(ख) क्या सरकार को पता है कि जिन दूकानदारों/एजेंटों को बड़ी संख्या में उपभोक्ता आवंटित किए जाते हैं उनकी कार्य कुशलता घट जाती है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PETROLEUM IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI GARGI SHANKAR MISHRA): (a) As per current policy, the ceiling on the trade of an LPG distributor is related to the refill cylinders sold per month which takes into account the number of customers that can be serviced by him. The ceilings for various places in the country are as under:—

Market	No. of refills/month.
Bombay	6000
Delhi	4,000
Cities with population over 10 lakhs	3,500
Cities with population between 2 lakhs and 10 lakhs	3,000
Other places	2,500

Cooperative Societies are exempted from these ceilings.

(b) The efficiency of a distributor mainly depends on his managerial skill and facilities he provides such as adequate number of delivery vehicles, delivery staff, mechanics etc. needed to cater to his customers satisfactorily.

श्री विलास मुत्तेमवार : अध्यक्ष जी, अभी मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में बताया कि बम्बई में 6000 गैस कनेक्शन एजेंट्स को देते हैं, दिल्ली में 4000 और दस लाख से अधिक संख्या वाले शहरों में 3,500 और कई जगहों की फीगर्स उन्होंने दी है। जिनको 6000 गैस कनेक्शन दिए हैं, उनका भी यह कहना

कि उनको यह इकोनामिक नहीं होता और जिनको तीन हजार कर्नक्शन दिए हैं, उनका भी यही कहना है कि इससे हमारा खर्चा नहीं निकलता। इसके लिए कमीशन का क्या क्राइटेरिया है और उनकी जो कंप्लेंट है वे कहां तक सही हैं? मेरे पहले प्रश्न का "बी" भाग यह है कि गैस की एजेंसी देते वक्त जब एडवर्टाइज किया जाता है तो हरिजन, अग्रंग और भूतपूर्व सैनिकों के लिए कई तरह के क्राइटेरिया रखे जाते हैं। लेकिन उनकी जो शर्तें रखती हैं जैसे कि गोडाउन, खुली जगह एक क्लॉसिंग सर्टिफिकेट और डिपॉजिट, ये इतने ज्यादा हैं कि हरिजन, अग्रंग और भूतपूर्व सैनिक इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकते। इसके लिए उन्हें फिर किसी को पार्टनर बनाना पड़ता है या बेनामी लोगों को लेकर एजेंसियां लेनी पड़ती हैं। मैं यह कहना चाहता हूँ कि इससे हमारा उद्देश्य सफल नहीं होता है ?

श्री गार्गी शंकर मिश्र : अध्यक्ष जी, मैं बताना चाहता हूँ कि प्रति सिलेन्डर 3.60 पैसे कमीशन मिलता है और यह इतना है कि गैस एजेंसी के लिए बड़ी लम्बी संख्या में लोगों की कतार लग गई है। यदि यह घाटे वाला धंधा होता तो शायद इतने ज्यादा लोग इस धंधे में नहीं आते।

दूसरे उन्होंने यह कहा कि अग्रंग या इकोनामिकली बैंकवर्ड लोगों को जो एजेंसी देते हैं तो उनको मालूम होना चाहिये कि बैंक लोन की भी व्यवस्था है और उन सब चीजों के लिए भी बैंक से लोन ले सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय : पैसा जमा कराना तो उतना ही उनको होता है।

श्री विलास मुत्तेमवार : अध्यक्ष जी, जैसा कि मंत्री महोदय ने बताया 3.60 पैसे कमीशन मिलता है जो 6,000

कर्नक्शन पर 20,000 रु० होता है तो क्या इसका अर्थ यह नहीं हुआ कि 6 हजार गैस कनेक्शन की एजेंसी जिसको दी गई है वह ज्यादा नहीं है, और 3 हजार कर्नक्शन वाली एजेंसी कम नहीं है।

दूसरा मेरा सवाल यह है कि नया गैस कनेक्शन जब दिया जाता है तो उपभोक्ताओं को ऐसी चीज लेने के लिए बाध्य किया जाता है जिसकी उन्हें जरूरत नहीं है, और इससे उपभोक्ता को करीब करीब 1,500 रु० से 2,000 रु० तक देना पड़ता है। क्या यह उचित है ? और गैस कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं से करीब 1,000 रु० की डिपॉजिट ली जाती है और 4, 6 महीने तक उनको गैस कनेक्शन नहीं दिया जाता है। यह बड़ी जरूरत की चीज है। इससे कई जगह बेनामी एजेंसीज ने पैसे इकट्ठे किये और पैसा उपभोक्ताओं को वापस नहीं मिला। इसके लिए मंत्रालय क्या कर रहा है ?

अध्यक्ष महोदय : इसके लिए तो एक पूरी डिबेट चाहिये।

SHRI JAGDISH TYTLER: There is a lot of corruption.

MR. SPEAKER: I will allow Half-an Hour Discussion on this.

विद्युत उपयोगिता पर सेमिनार

+

* 229. डा. सुब्रामण्यम स्वामी :

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय विद्युत उपयोगिता परिषद् ने हाल में कोई सेमिनार आयोजित किया था;

(ख) यदि हां, तो क्या सेमिनार में उन्होंने एक ऐसी उप-समिति नियुक्त